Title: Need to remove the restrictions put on the export of onions to stop steep fall in the price.

श्री उत्तमराव ढिकले (नासिक) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान फिर प्याज की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। हमारे देश में इस साल लगभग 55 लाख मीट्रिक टन प्याज का उत्पादन हुआ है। अभी तक देखा गया है कि 40 लाख मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन हमारे देश में कभी नहीं हुआ और इसीलिए प्याज के मामले में पहले ही सत्र में 2 दिसम्बर 1999 और बाद में 5 मई, 2000 को दूसरे सत्र में यह मुद्दा उठाया था। सरकार ने जो प्याज के निर्यात पर पाबंदी लगाई है, वह पाबंदी तुरंत हटानी चाहिए ऐसी मांग हम कई दिनों से करते आए हैं, लेकिन आज जो स्थिति है, वह ऐसी है कि किसानों को प्याज का दाम नहीं मिल रहा है। प्याज किसानों के घर में है, बाजार समितियों में पड़ा है और उसका कोई ग्राहक नहीं है। ग्राहक नहीं है इसलिए किसानों को दाम नहीं मिल रहा है और बड़े पैमाने पर किसानों में नाराज़गी है। भारत सरकार को प्याज के निर्यात पर पाबंदी हटानी चाहिए और जितनी परमीशन दी है, वह बहुत कम है, इसलिए मैं मांग करता हूं कि प्याज के निर्यात पर पाबंदी को पूरी तरह से हटाया जाए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shrimati Renu Kumari. You are only to associate with this matter.

श्रीमती रेणु कुमारी (खगड़िया) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी का ध्यान बिहार के आलू और प्याज उत्पादक किसानों की हालत की ओर दिलाना चाहती हूं। बिहार में आलू और प्याज के किसानों की हालत बहुत ही खराब है। किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। उसका आलू-प्याज कौड़ियों के भाव भी नहीं बिक रहा है। बिहार के किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। इसका कारण यहहै कि आलू-प्याज जो विदेश में जाता था, उस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और जो भी आलू-प्याज का निर्यात होता है, वह नेफेड के माध्यम से होता है और नेफेड में किसान को उचित समर्थन मूल्य नहीं मिल पाता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहती हूं कि उन्होंने जो निर्यात प्रतिबंध लगाया है, उसको खत्म किया जाए और नेफेड के माध्यम से जो व्यापार होता है उसको भी खत्म किया जाए और किसान को डायरेक्ट निर्यात करने दिया जाए ताकि किसान को उचित मूल्य मिल सके।